https://www.upboardonline.com

अर्द्धवार्षिक परीक्षा 2020-21

हिन्दी

कक्षा-X

अ-X-हिन्दी

समय : 3.15 घण्टे **पूर्णांक : 70**

नोट—प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

1. (क) 'कंकाल' किस विधा की रचना है ? 1
   (ख) किसी एक निबन्ध लेखक का नाम लिखिए। 1
   (ग) किसी एक नाटककार का नाम लिखिए। 1
   (घ) शुक्ल युग की दो प्रमुख पत्रिकाओं के नाम लिखिए। 1
   (ङ) **निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचान कर लिखिए—** 1
   (i) रांगेय राघव प्रसिद्ध नाटककार हैं।
   (ii) 'गबन' के लेखक प्रसाद हैं।
   (iii) 'माधुरी' पत्रिका के सम्पादक रामचन्द्र शुक्ल हैं।
   (iv) डॉ. नगेन्द्र प्रसिद्ध आलोचक हैं।

2. (क) रीति मुक्त कवियों में से किसी एक कवि का नामोल्लेख कीजिये। 1
   (ख) भक्ति काल के किसी एक कवि का नाम लिखिए। 1
   (ग) 'परशुराम की प्रतीक्षा' के रचनाकार का नाम लिखिए। 1
   (घ) 'छायावादी युग' की किसी एक कवयित्री का नाम लिखिए। 1
   (ङ) 'दूसरा सप्तक' का प्रकाशन-वर्ष बताइए। 1

3. **निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिये प्रश्नों का उत्तर दीजिए—** $2+2+2=6$

   (क) कुसंग का ज्वर सबसे भयानक होता है। यह केवल नीति और सद्वृत्ति का ही नाश नहीं करता, बल्कि बुद्धि का भी क्षय करता है। किसी युवा पुरुष की संगति यदि बुरी होगी तो वह उसके पैरों में बँधी चक्की के समान होगी, जो उसे दिन-दिन अवनति के गड्ढे में गिराती जायेगी और यदि अच्छी होगी तो सहारा देने वाली बाहु के समान होगी, जो उसे निरन्तर उन्नति की ओर उठाती जायेगी।
   (i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।
   (ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(P.T.O.)

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

   (iii) अच्छी संगति से क्या लाभ होते हैं ?

   (ख) अहिंसा का दूसरा नाम या दूसरा रूप त्याग है और हिंसा का दूसरा रूप या दूसरा नाम स्वार्थ है, जो प्रायः भोग के रूप में हमारे सामने आता है। परन्तु हमारी सभ्यता ने तो भोग भी त्याग ही से निकाला है ओर भोग भी त्याग में ही पाया है। श्रुति कहती है 'तेन त्यक्तेन भूञ्जीथा:'। इसी के द्वारा हम व्यक्ति-व्यक्ति के बीच का विरोध, व्यक्ति और समाज के बीच का विरोध, समाज ओर समाज के बीच का विरोध, देश और देश के बीच के विरोध को मिटाना चाहते हैं। हमारी सारी नैतिक चेतना इसी तत्त्व से ओतप्रोत है।
   (i) अवतरण के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
   (ii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।
   (iii) भारतीय संस्कृति की विशेषताएँ स्पष्ट रूप से लिखिए।

4. **निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए तथा उसकी काव्यगत विशेषताओं (काव्यगत सौन्दर्य) लिखिए—** $1+4+1=6$

   (क) ऊधौ मन न भए दस बीस।
   एक हुतौ सो गयौ स्याम सँग, को अवराधै ईस॥
   इंद्री सिथिल भईं केसव बिनु, ज्यौं देही बिनु सीस।
   आसा लागि रहति तन स्वासा, जीवहिं कोटि बरीस॥
   तुम तौ सखा-स्याम सुन्दर के, सकल जोग के ईस।
   सूर हमारैं नँद-नंदन बिनु, और नहीं जगदीस॥

   (ख) पुर तें निकसी रघुबीर-बधू, धरि धीर दए मग़ में डग द्वै।
   झलकीं भरि भाल कनी जल की, पुट सूखि गए मधुराधर वै॥
   फिरि बूझति हैं—"चलनो अब केतिक, पर्नकुटी करिहौ कित ह्वै ?
   तिय की लखि आतुरता पिय की अँखियाँ अति चारु जल च्वै॥"

5. (क) **निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय दीजिये तथा उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए—** $2+1=3$
   (i) रामचन्द्र शुक्ल, (ii) जयशंकर प्रसाद, (iii) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद।

   (ख) **निम्नलिखित कवियों में से किसी एक का जीवन-परिचय दीजिए तथा उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए—** $2+1=3$
   (i) रसखान, (ii) रामनरेश त्रिपाठी, (iii) मैथिलीशरण गुप्त।

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

6. निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित अर्थ लिखिए— 1 + 3 = 4

(क) एषा नगरी भारतीय संस्कृते संस्कृतभाषाश्च केन्द्रस्थलम् अस्ति। इत एव संस्कृतवाङ्मयस्य संस्कृतेश्च आलोकः सर्वत्र प्रसृतः। मुगल युवराजः दाराशिकोहः अत्रागत्य भारतीय-दर्शन-शास्त्राणाम् अध्ययनम् अकरोत। स तेषां ज्ञानेन तथा प्रभावितः अभवत्, यत् तेन उपनिषदाम् अनुवादः पारसीभाषायां कारितः।

(ख) बन्धनं मरणं वापि जयो वापि पराजयः।
उभयत्र समो वीरः वीरभावो हि वीरता॥

7. (क) अपनी पाठ्य-पुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिए, जो इस प्रश्न-पत्र में न दिया गया हो। 2

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में दीजिए— 1 + 1 = 2

(i) वाराणसी नगरी कुत्र स्थिता अस्ति ?
(ii) अलक्षेन्द्रः कः आसीत् ?
(iii) न्यायाधीशः कः आसीत् ?
(iv) केन सर्वं मृण्मयं विज्ञातंस्याद् ?

8. (क) 'हास्य' अथवा 'करुण' रस की परिभाषा उदाहरण सहित दीजिए। 2
(ख) 'उपमा' अथवा 'रूपक' अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित दीजिए। 2
(ग) 'सोरठा' अथवा 'रोला' की परिभाषा लिखकर उसका उदाहरण भी दीजिए। 2

9. (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं तीन के मेल से एक शब्द बनाइए— 1 + 1 + 1 = 3

(i) अति (ii) अन् (iii) उप
(iv) अभि् (v) अनु।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द बनाइये— 1 + 1 = 2

(i) स (ii) हट (iii) ता
(iv) पन (v) वट (vi) त्व।

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के विग्रह सहित समास का नाम लिखिए— 1 + 1 = 2

(i) त्रिशूल (ii) सुरासुर (iii) दाल-भात

(P.T.O.)
https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

(iv) मुखनाशिका (v) हानि-लाभ (vi) नवरत्न।

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के तत्सम रूप लिखिए— 1 + 1 = 2

(i) मौत (ii) उजला (iii) पानी (iv) दही।

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए— 1 + 1 = 2

(i) उपवन (ii) गंगा (iii) नदी
(iv) पक्षी (v) बादल (vi) यमुना।

10. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सन्धि-विच्छेद कीजिए और सन्धि का नाम लिखिए— 1 + 1 = 2

(i) प्रति + एक (ii) सु + आगतम
(iii) मम् + एव (iv) वन + औषधम्।

(ख) निम्नलिखित शब्दों के रूप पंचमी विभक्ति, बहुवचन में लिखिए— 1 + 1 = 2

(i) फल अथवा मति, (iii) नदी अथवा मधु।

(ग) निम्नलिखित में से किसी एक धातु, लकार, पुरुष तथा वचन का उल्लेख कीजिए— 1 + 1 = 2

(i) पठ्तु (ii) अहसताम्।

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए— 1 + 1 = 2

(i) हम सब भारत के नागरिक हैं। (ii) मैं विद्यालय जाऊँगा।
(iii) सिकन्दर कौन था ? (iv) बच्चे मैदान में खेलते हैं।

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए— 6

(i) जल ही जीवन है, (ii) बेरोजगारी की समस्या,
(iii) वृक्षारोपण का महत्व, (iv) अनुशासन की समस्या,
(v) विज्ञान का सदुपयोग।

12. अपने पठित खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का सारांश अपने शब्दों में लिखिए। 3

अथवा

अपने पठित खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

❑

https://www.upboardonline.com